कक्षा–**XII**

परिधान निर्माण– ।।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
2 समुदाय केंद्र, प्रीत विहार, दिल्ली–110092

परिधान निर्माण– ।।

पाठ्यपुस्तिका

कक्षा–**XII**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

एवं

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

के सहयोग से

परिधान निर्माण– ।।

पाठ्यपुस्तिका

मूल्यः : 100/–

प्रथम संस्करण : जून 2014 सीबीएसई,भारत

प्रतियों की संख्या : 1000 प्रतियां

प्रयुक्त कागज : 80 जीएसएम सफेद मैपलिथो

इस पुस्तक अथवा इसके भाग का किसी व्यक्ति अथवा एजेंसी द्वारा किसी भी रूप में दोहराया **जाना** नही **चाहिए**

प्रकाशक :सचिव, **केन्द्रीय** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,
शिक्षा केंद्र, 2 समुदाय केंद्र, प्रीत विहार, दिल्ली–110092

डिजाइन, लेआउट : मल्टी ग्राफिक्स,8ए, 101, डब्ल्यूईए,करोलबाग, नई दिल्ली – 110 005
फोन नं. 011– 25783846

मुद्रक :बेरी आर्ट प्रैस, ए.9, मायापुरी, फेज–1, नई दिल्ली–64

आमुख

वस्त्र एवं फैशन उद्योग द्वारा भारतीय निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। कृषि के **बाद यह** दूसरा सबसे बडा घरेलू रोजगारन्मुख क्षेत्र है। परिधान उद्योग को संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में बांटा जा सकता है जो विविध उपभोक्ता वर्गों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। असंगठित क्षेत्र में बने बनाए वस्त्रों की बड़ी दुकानें, स्वतंत्र ढांचे एवं दर्जी की दुकानें, लद्यु उद्योग शामिल है, जबकि संगठित क्षेत्रों में अकेले या बहुत सारे ब्रॉन्डों की फुटकर दुकानें, डिजाइनर **बुटीक** इत्यादि शामिल हैं जो विशिष्ट वर्ग के उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं देते हैं। संगठित एवं ब्रॉन्डेड सेगमेंट में उच्च स्तर की वृद्धि के कारण सीएजीआर के अनुसार घरेलू वस्त्र बाजार मार्केट में 11 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना व्यक्त की गयी है। जबकि 2011 में भारतीय कपड़ा व वस्त्र उद्योग का व्यापार 662 अरब अमरीकी डॉलर रहने की संभावना है और 2021 तक सीएजीआर के अनुसार यह 5 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। भारतीय कपड़ा उद्योग एवं वस्त्र उद्योग में लगभग 45 मिलियन लोगों को रोजगार मिला है, साथ ही इसके सहायक उद्योग में 60 मिलियन लोगों को भी रोजगार प्राप्त हुआ है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों **के व्यावसायिक** पाठ्यक्रम की ओर बढ़ती हुई रूचि को देखते हुए इन पाठ्यक्रमों के विकास हेतु पहल की है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फैशन डिजाइन गारमेंट तकनीक (एफडीजीटी) पर आधारित पेशेवर पाठ्यक्रम को कक्षा XIव XIIके छात्रों को एक विकल्प प्रस्तुत किया है कि वे या तो उच्च शिक्षा के लिये आगे सतत् शिक्षा प्राप्त करते रहें या अपनी माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर फैशन उद्योग में एक उद्यमी के रूप में प्रवेश कर सकें इस पाठ्यक्रम में न सिर्फ किताबी ज्ञान को शामिल किया है अपितु उससे संबंधित कौशल पर भी ध्यान दिया है जो उक्त विशिष्ट उद्यम की मांग है। एफडीजीटी द्वारा संचालित पेशेवर पाठ्यक्रम में न केवल सैद्धांतिक

विषय को शामिल किया है वरन् यह छात्रों को परिधान प्रौद्योगिकी और फैशन डिजाईनिंग के क्षेत्र में पेशेवर दक्षता हासिल करने में समर्थता भी प्रदान करता हैं।

सीबीएसई के अधिकारियों व शिक्षकों, वरिष्ठ एनआईएफटी संकाय सदस्यों व छात्रों, तथा इस क्षेत्र के प्रसिद्ध उद्यमियों व निर्यातकों के मध्य विचार विमर्श के द्वारा ही इस विषय की विषय– वस्तु को तैयार किया गया है।

बोर्ड इस संबंध में श्री पी.के़ गेरा, आईएएस, महानिदेशक, एनआईएफटी व वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ बानी झा, प्रोफेसर डॉ वंदना नारंग– प्रोजेक्ट एंकर, प्रो. अनिता मेबल मनोहर एवं सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता, निफ्ट के एसोसिएट प्रोफेसर्स का कक्षा xiके छात्रों के लिये सीबीएसई पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में मूल्यवान समय व सहयोग का आभारी है। डॉ बिस्वजीत साहा, एसोसिएट प्रोफेसर व कार्यक्रम अधिकारी, व्यवसायिक शिक्षण प्रकोष्ठ, सीबीएसईऔर सुश्री स्वाति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर व सहायक कार्यक्रम अधिकारी, व्यावसायिक शिक्षण प्रकोष्ठ, सीबीएसई और उसके अन्य सदस्यों के अथक प्रयासों के प्रति आभारी है।

पुस्तक के संदर्भ में पाठकों से किसी भी प्रकार के सुझावों और प्रतिक्रियाओं का सहर्ष स्वागत है ताकि उसे भविष्य के संस्करणों में समायोजित किया जा सके ।

आईएएस

अध्यक्ष, सीबीएसई

सीबीएसई

श्री विनीत जोशी, आईएएस, अध्यक्ष

डॉ. बिस्वजीत साहा ('एसोसिएट प्रोफेसर एवं कार्यक्रम अधिकारी')

सुश्री स्वाती गुप्ता ('सहायक प्रोफेसर एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी')

निफ्ट

सुश्री सरदा मुरलीधरन, आईएएस

वरिष्ठ प्रो. डॉ बानी झा हिन्दी संपादक

एंकर

प्रो. डॉ वंदना नारंग

योगदानकर्ता

विषय वस्तु एवं प्रकल्पना

प्रो. (डॉ.) अनिता मैबल मनोहर

डॉ एम वसन्था एवं सुश्री गीता रामासामी

विषय सूची

अध्याय 1. परिधान संयोजन प्रणाली की प्रस्तावना

1.1 परिधान संयोजन प्रणाली

1.1.1 व्यक्तिगत प्रणाली

1.1.2 कारखाना उत्पादन प्रणाली

1.2 भारत में सामान्यतः प्रयुक्त परिधान संयोजन प्रणालियां

1.2.1 प्रोग्रेसिव बंडल प्रणाली (पीबीसी)

1.2.2 इकाई उत्पादन प्रणाली (यूपीएस)

1.2.3 मोड्यूलर उत्पाद प्रणाली (एमपीएस)

अध्याय 2 परिधान तैयार करने वाली मशीनें

2.1 लॉक स्टिच मशीन

2.2 चेन स्टिच मशीन

2.3 फ्लैट लॉक या सर्जिंग मशीन

2.4 सुरक्षा ओवर लॉक मशीन

2.5 ब्लाइंड स्टिच हैमिंग मशीन

2.6 बटन मशीन

2.7 बटन होल मशीन

2.8 फीड आफ आर्म सिलाई मशीन

2.9 पिन टकिंग मशीन

अध्याय 3 वस्त्र खपत और अनुमान

वस्त्र आवश्यकता

3.1 वस्त्र आवश्यकता का निर्धारण कैसे करें ?

3.2 पैटर्न लेआउट कैसे बनाएं?

3.2.1 शर्ट

3.2.2 पैंट

3.2.3 सलवार

3.2.4 कमीज

3.2.5 कलीदार कुर्ता

3.2.6 पजामा

3.2.7 चूड़ीदार पजामा

3.2.8 साड़ी ब्लाउज

3.2.9 स्कर्ट

3.2.10 नाइटी

अध्याय 4 परिधानों में अभिकल्प तत्वों का निर्माण

4.1 प्लेकेट्स के विभिन्न प्रकार

4.1.1 सतत प्लेकट्स

4.1.2 डायमंड प्लेकट्स

4.1.3 साधारण शर्ट प्लेकट्स

4.1.4 चिप्पल और चुनर के साथ शर्ट प्लेकट्स

4.2 बटन लगाना

4.3 विभिन्न प्रकार की जेबें

4.3.1 बाहरी जेब/ पैच जेब

4.3.2 इन सीम जेब

4.3.3 वेल्ट जेब

4.3.4 चीर और जोड़ की अवधारणा

4.4 कॉलर चिप्पल

4.4.1 तिरछी पट्टी तैयार करना

4.4.2 विस्तारित चिप्पल/ तिरछी बांधना

4.4.3 तिरछा चिप्पल

4.4.4 आकारित चिप्पल (श्लेश कॉलर)

4.4.5 कॉलर जोड़ना

4.5 बाजू जोड़ना

4.6 कफ लगाना

4.6.1 एक टुकड़े वाला सीधा कफ

4.6.2 कमरबंध जोड़ना

4.7 जोड़ जोड़ना

अध्याय 5 कुरती/ टॉप और स्कर्ट बनाना

5.1 टॉप/ कुरती का संयोजन

5.2 स्कर्ट बनाना

5.2.1 स्कर्ट कमरबंध बनाना

अध्याय 6 सलवार और कमीज / कुरती बनाना

6.1 सलवार बनाना

6.2 कमीज / कुरती बनाना

अध्याय 7 चूड़ीदार और कलीदार कुरता बनाना

7.1 चूड़ीदार बनाना

7.2 कलीदार कुरता बनाना

7.2.1 कुरता पलैक्ट

अध्याय 8 साड़ी ब्लाउज और चोली ब्लाउज बनाना

8.1 साड़ी ब्लाउज बनाना

8.1.1 साड़ी ब्लाउज पलैक्ट बनाना

8.2 चोली ब्लाउज बनाना